प्राचीन भारत का राजनीतिक सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास

आत्रेयी बिश्वास

POLITICAL, SOCIAL AND CULTURAL HISTORY OF ANCIENT INDIA

ATREYI BISWAS

Scanned by TapScanner

विषय सूची

भूमिका 1

अध्याय I. भौगोलिक पृष्ठभूमि 5

भौगोलिक विभिन्नता, 9; जातिगत विभिन्नता, 10; भाषागत विभिन्नता, 10; धार्मिक विभिन्नता, 11; खानपान वेशभूषा में विभिन्नता, 12; आर्थिक दृष्टि में विभिन्नता, 12; विभिन्नता में मूलभूत एकता, 12.

अध्याय II. प्रस्तरकालीन भारत 15

भौगोलिक परिवर्तन, 16; मानव जाति का अभ्युदय, 16; भारत में प्रस्तरकालीन सभ्यता का प्रसार, 17; प्रस्तरयुग का काल निर्धारण, 18; पूर्व पाषाण युग का रहन-सहन, 19; मध्य पाषाण कालीन सभ्यता, 20; उत्तर पाषाण काल, 21.

अध्याय III. धातु युग : सिन्धु घाटी सभ्यता 23

प्रसार, 24; नगर योजना, 26; प्रमुख भवन, 28; विशाल स्नानागार, 28; राजनैतिक व्यवस्था और समाज, 30; साज-सज्जा और आभूषण, 32; पक्की मिट्टी के खिलौने, औजार, पत्थर और धातु का प्रयोग, आमोद-प्रमोद, आर्थिक दशा, 33; खान-पान, पशुपालन, वाणिज्य व्यापार, 34; उद्योग धंधे, शिल्पकला, मुहरें, 35; लेखनकला, मूर्तिकला, धार्मिक अवस्था, 36; मृतक संस्कार, 38; सिन्धु सभ्यता और ऋग्वैदिक सभ्यता की तुलना, 39; सिन्धु सभ्यता का काल निर्णय, 40; सिन्धु सभ्यता के निर्माता, 41; सिन्धु सभ्यता का अन्त, 42.

Scanned by TapScanner

अध्याय IV. आर्य सभ्यता 44

आर्यों का मूल निवास स्थान, 44; ऋग्वैदिक कालीन सभ्यता और संस्कृति, 50; राजनैतिक प्रसार, 51; आर्य कबीले, 52; आर्यों का आर्यों से युद्ध, 53; आर्यों का अनार्यों से युद्ध 55; ऋग्वैदिक शासन तंत्र, 56; सामाजिक व्यवस्था, 60; वसन भूषण, आमोद-प्रमोद, 63 खान-पान, स्त्री-दशा, आर्थिक दशा, 64; पशु पालन, व्यवसाय, मुद्रा 65; ऋग्वैदिक कालीन धार्मिक दशा, एकेश्वरवाद या बहुदेवतावाद, 66; द्यु: लोक के देवता, मित्र तथा वरूण 67; सवितृ तथा सूर्य, पूषण देवता, विष्णु, 68; इन्द्र; 69; अन्तरिक्ष लोक के देवता-वायु, रूद्र, यम, अश्विन्, 70; भू-लोक के देवता, अग्नि, सोम, 71; ऋग्वेद की देवियां, वे गुण तथा भावनाएं जिनका देवीकरण हुआ, पशु या वनस्पति की पूजा, 72; कर्मकाण्ड, 73.

अध्याय V. उत्तर वैदिक काल 74

उत्तर वैदिक काल में आर्यों का भौगोलिक प्रसार, 75; आर्य कबीले, कुरू कबीला, 76; पांचाल कबीला, 77; श्रृञ्जय कबीला, विदेह, कोशल तथा काशी के राज्य, 78; अन्य आर्य कबीले, 79; उत्तर वैदिक कालीन शासन व्यवस्था, 80; उत्तर वैदिक कालीन सामाजिक अवस्था, 84; आश्रम अवस्था, 87 भोजन, 88; स्त्रियों की स्थिति, विवाह प्रथा, 89; आर्थिक अवस्था, 90; उत्तर वैदिक कालीन धर्म और दर्शन, 92.

अध्याय VI. महाकाव्य युग 95

राजनैतिक संगठन, 97; सामाजिक अवस्था, 99; धार्मिक अवस्था, 100.

अध्याय VII. जैन तथा बौद्ध धर्म 102

बौद्ध कालीन राजनैतिक स्थिति, सोलह महाजनपद, 102; बौद्ध कालीन गणतंत्रीय राज्य, 104; राजतंत्रीय राज्य, 107; मगध का उत्कर्ष, 109; अजातशत्रु के उत्तराधिकारी, 112; शिशुनाग वंश, नन्द वंश की स्थापना, 113.

जैन धर्म, 114; महावीर जैन का जीवन चरित्र, 114; जैन धर्म के दार्शनिक सिद्धांत, पंच अस्तिकाय की धारणा तथा जीव, 115;

Scanned by TapScanner

संसार तथा मोक्ष सम्बन्धी विचार, 'ज्ञान' के विषय में जैन सिद्धांत, 116; जैन धर्म के नैतिक सिद्धांत, पंच अनुव्रत, 117.

बौद्ध-धर्म, गौतम बुद्ध का जीवन चरित्र, 119; बौद्ध-धर्म के धार्मिक सिद्धान्त, 123; चत्वारि आर्य सत्यानि, 124; अष्टांगिक मार्ग, आत्मा सम्बन्धी बौद्ध सिद्धांत, 125; बुद्ध का क्षणिकवाद या दुःखवाद, पतीच्च समुत्पाद, 126; दश अकथनीय, कर्मवाद, निर्वाण, 127; बौद्ध धर्म के सरल नैतिक सिद्धांत, 128; दस उपदेश, 129; बौद्ध संघ, 130; संघ में प्रवेश पाने के लिए भिक्षु की योग्यताएं, 131; संघ प्रवेश के अवसर पर किए जाने वाली प्रतिज्ञायें, 132; उपवसथ, 133; गौतम के जीवन से सम्पर्कित स्थानों के दर्शन की उपयोगिता, 134; भिक्षुणी संघ 135.

जैन बौद्ध युगीन समाज, वर्ण व्यवस्था 136; दासप्रथा 137; विवाह, 138.

जैन बौद्ध कालीन आर्थिक दशा, ग्राम, 138; कर व्यवस्था, उद्योग धंधे, 139; श्रेणी, 141; वाणिज्य व्यापार, 142; व्यापारिक मार्ग, 143; बाज़ार, 144; विनिमय का माध्यम, 145.

अध्याय VIII. विदेशी आक्रमणों का युग 146

सिकन्दर का आगमन, 146; सिकन्दर के आक्रमण के समय उत्तरी भारत की राजनैतिक स्थिति, 147; सिकन्दर का आगमन, 149; एस्पासियनों से युद्ध, मस्सग पर आक्रमण, 152; नीसा में सिकन्दर का स्वागत, सिकन्दर की तक्षशिला और अभिसार के शासक से मित्रता, 153; पुरु का विरोध, 154; झेलम के युद्ध में सिकन्दर के सैनिक, 155; झेलम के युद्ध में पुरू के सैनिक, सिकन्दर और पुरु के युद्ध का स्थान निर्णय, 156; झेलम का युद्ध, 157; युद्ध का निर्णय 159; पुरु व सिकन्दर की मित्रता, 160; पुरु की असफलता के कारण 161; स्मारकों का निर्माण, ग्लोसाई पर विजय, छोटे पुरु पर विजय, ग्रीक गवर्नरों के विरुद्ध भारतीयों का प्रथम विद्रोह, 163; संगल पर विजय, 164; सिकन्दर के सैनिकों का असहयोग, सिकन्दर के सैनिकों ने आगे बढ़ने से क्यों इंकार किया ? 165; सिकन्दर का पश्चातगमन, शिवि और अग्रश्रेणियों से मुकाबला, 167; सिकन्दर का मल्लोय तथा आक्सिड्राकोय जातियों से मुठभेड़, 168; एबेस्टानोई का पतन, मूषिकों का विरोध, ब्राह्मणों का विरोध, 169; पट्टल का दमन, सिकन्दर की भारत से विदा, सिकन्दर के आक्रमण का प्रभाव, 170.

Scanned by TapScanner

अध्याय IX. मौर्य कालीन भारत

चन्द्रगुप्त मौर्य, मौर्य काल को जानने के ऐतिहासिक साधन, 174; मौर्य कौन थे ? 179; चन्द्रगुप्त का प्रारम्भिक जीवन, 183; मगध के शासक धननन्द और कौटिल्य में विरोध, 185; तक्षशिला में चन्द्रगुप्त की शिक्षा, 186; देश को विदेशियों की पराधीनता से मुक्त कराना, 187; यूनानी शासन का अन्त, 188; चन्द्रगुप्त और पर्वतक की सन्धि, 189; चन्द्रगुप्त की सैनिक शक्ति की आधारशिला, 191; नन्द वंश का अन्त, 192; सेल्यूकस से युद्ध, 194; दक्षिण विजय, 196; पश्चिम विजय, 200; बिन्दुसार, 201.

अशोक, 203; अशोक का व्यतिगत जीवन, 205; अशोक प्रांतपति के रूप में, 207; कलिंग युद्ध,208; अशोक की साम्राज्य सीमा, 210; अशोक का धर्म, 212; अशोक के नैतिक सिद्धांत, 222; अशोक का इतिहास में स्थान, 224.

अशोक के उत्तराधिकारी, 227.

मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण, 232;

मौर्य कालीन शासन व्यवस्था, 239; राजा की दिनचर्या, 242, मन्त्री तथा परिषद्, 244; अष्टादश तीर्थ, 246; अधिकारी वर्ग, 246, गुप्तचर, प्रांतीय शासक, 247; जिलों तथा नगरों का शासन, न्याय व्यवस्था, सैनिक व्यवस्था, 248.

अध्याय X. शुंग वंश 250

पुष्यमित्र शुंग, 252; अश्वमेघ यज्ञ, पुष्यमित्र का धर्म, 258; क्या खारवेल के हाथीगुफा शिलालेख में वर्णित यवन आक्रमण में सत्यता है ? 259.

अध्याय XI. कण्व वंश 260

अध्याय XII आन्ध्र सातवाहन वंश 261

सिमुक, कृष्ण, 261; सातकर्णी, गौतमी पुत्र सातकर्णी, 262; वासिष्ठीपुत्र पुलुमावी, 263; यज्ञश्री सातकर्णी, 264; सातवाहन वंश का पतन, 264.

Scanned by TapScanner

अध्यायाय XIII. विदेशी आक्रमणों का युग : बैक्ट्रियन—ग्रीक आक्रमण 265

बैक्ट्रिया में स्वतंत्रत ग्रीक राज्य की स्थापना, डियोडोटस का उत्थान, 265; यूथिडेमस, 267; डेमेट्रियस, 268; मेनान्डर, 270.

अध्याय XIV. विदेशी आक्रमणों का युग : शक जाति का आगमन 272

शकों का मूल निवास स्थान, 273; तक्षशिला के शक शासक, 274; मथुरा के शक क्षत्रप, 277; पश्चिमी भारत के क्षहरात वंश, भूमक 278; नहपान, 279; चष्टन वंश, 280; रूद्रदामन, 281.

अध्याय XV. विदेशी अक्रमणों का युग : कुषाण कालीन भारत 284

मूल निवास स्थान, 285; कुजुल केडफाइसेज, 287; विमा केडफाइ-सेज, 292; कनिष्क, 295; वंश परिचय, तिथि, 296; कनिष्क का साम्राज्य प्रसार, 299; उत्तर-पश्चिमी सीमा, 301; दक्षिण में साम्राज्य विस्तार, 303; कनिष्क का धर्म, 306; कनिष्क के उत्तरा-धिकारी, 309; वासिष्क, 310; हुविष्क, 311; कनिष्क II, 313; वासुदेव, 313; कुषाण कालीन सामाजिक और आर्थिक अवस्था, 315; व्यवसाय, व्यापार, 316; व्यापारिक मार्ग, 317; रहन-सहन, खान-पान, मनोरंजन, स्त्रियों की स्थिति, 318. कुषाण कालीन कला और साहित्य, 319; गान्धार शैली, 320; मथुरा शैली, 321; कुषाण कालीन साहित्य, 322.

अध्याय XVI. महान गुप्त वंश 323

गुप्तों के उदय के समय भारत की राजनैतिक स्थिति, 323; गुप्त शासकों की जाति, 326; गुप्त वंश के प्रारम्भिक शासक, 327; चन्द्रगुप्त I, 329; समुद्र गुप्त, 331; समुद्रगुप्त की दिग्विजय, 332; अश्वमेघ यज्ञ, 340.

राम गुप्त, 341.

चन्द्रगुप्त II विक्रमादित्य, 342.

कुमार गुप्त I महेन्द्रादित्य, 346.

Scanned by TapScanner

स्कन्द गुप्त विक्रमादित्य, 350;
पुरु गुप्त विक्रमादित्य, 354.

गुप्त साम्राज्य का विघटन, 356; गुप्त कालीन शासन प्रबन्ध, 359; सम्राट, 360; केन्द्रीय शासन, 361; प्रान्तीय शासन, 362; डिस्ट्रिक्ट शासन, ग्राम शासन, सेना, न्याय, कर व्यवस्था, 363; गुप्त कालीन आर्थिक व्यवस्था, 364; जाति व्यवस्था, 365; दास प्रथा, 366; परिवार, विवाह, खान-खान वेशभूषा, 367; गुप्त कालीन धार्मिक अवस्था, 369; वैदिक धर्म, जैन धर्म, 370; बौद्ध धर्म 371; वैष्णव धर्म, शैव धर्म, 372; सूर्य उपासना, 373; देवी पूजा, 374.

अध्याय XVII. हूण आक्रमण 375

अध्याय XVIII. नवीन राजवंशों का उदय 384

पश्चात् कालीन गुप्त शासक, 385; मौखरी वंश, 391; वल्लभी के मैत्रक वंश, 395; थानेश्वर का पुष्यभूति वंश, 397; प्रभाकरवर्धन, 397; राज्यवर्धन, 401; हर्षवर्धन, 403; शशांक से बदला, 404; हर्ष की दिग्विजय, 406; वल्लभी (सौराष्ट्र) विजय, पुलकेशिन द्वितीय से युद्ध, 408; हर्ष का धर्म, 409; शासन प्रबन्ध, 411.

Bibliography 415

Abbreviations 422

Scanned by TapScanner